

## गर्भ के चकितिसकीय समापन संबंधी नियम

### प्रलिमिस के लिये:

गर्भ के चकितिसकीय समापन संबंधी नए नियम

### मेनस के लिये:

महिलाओं से संबंधित मुद्दे

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने गर्भ का चकितिसकीय समापन (**Medical Termination of Pregnancy**) (संशोधन) अधनियम, 2021 के तहत नए नियमों को अधिसूचित किया है।

- [गर्भ का चकितिसकीय समापन \(MTP\) अधनियम, 1971](#) में संशोधन करने के लिये 2021 अधनियम पारित किया गया था।

### The MTP Act 1971 and The MTP Act Amendments 2021

	MTP Act 1971	The MTP Amendment Act 2021
Indications (Contraceptive failure)	Only applies to married women	Unmarried women are also covered
Gestational Age Limit	20 weeks for all indications	24 weeks for rape survivors Beyond 24 weeks for substantial fetal abnormalities
Medical practitioner opinions required before termination	One RMP till 12 weeks Two RMPs till 20 weeks	One RMP till 20 weeks Two RMPs 20-24 weeks Medical Board approval after 24 weeks
Breach of the woman's confidentiality	Fine up to Rs 1000	Fine and/or Imprisonment of 1 year

### प्रमुख बातें

#### ■ नियमों के बारे में:

- बढ़ी हुई गर्भावधि सीमा: कुछ श्रेणियों की महिलाओं के लिये गर्भावस्था को समाप्त करने की गर्भकालीन सीमा को 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है। इसमें सात वशिष्ट श्रेणियाँ हैं:

- यौन हमले या बलात्कार की स्थितियाँ;
- अवयस्क;
- वधिवा और तलाक होने जैसी परस्थितियों अथवा वैवाहिक स्थितियों बदलाव के समय की गर्भावस्था;
- शारीरिक रूप से अक्षम महिलाएँ;
- मानसिक रूप से बीमार महिलाएँ;
- भ्रूण की विवृति जिसमें बच्चे के असामान्य होने का प्रयाप्त जोखमि होता है या बच्चा पैदा होने के बाद गंभीर शारीरिक या मानसिक

असामान्यताओं से पीड़ित हो सकता है;

- जटलि मानवीय परस्थितियों, आपदा या आपातकाल के दौरान गर्भावस्था वाली महलिएँ।
- **राज्य-स्तरीय मेडिकल बोर्ड:** भ्रून की विकृतिके मामलों में 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था को समाप्त किया जा सकता है या नहीं, यह तय करने के लिये एक राज्य-स्तरीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया जाएगा।
  - मेडिकल बोर्ड को अनुरोध प्राप्त होने के तीन दिनों के भीतर गर्भावस्था के मेडिकल ट्रैमनिशन के प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करना होता है।
  - गर्भापत प्रक्रिया बोर्ड को अनुरोध प्राप्त होने के पाँच दिनों के भीतर की जानी चाहयि।
- **महत्व:**
  - नए नियम **सतत विकास लक्षणों (SDG)** 3.1, 3.7 और 5.6 को पूरा करने में मदद के लिये ये नए नियम **मातृ मृत्यु दर** को प्रबंधित करने में योगदान देंगे।
  - **SDG 3.1** मातृ मृत्यु अनुपात को कम करने से संबंधित है, जबकि SDG 3.7 और 5.6 यौन और प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकारों तक सार्वभौमिक पहुँच से संबंधित है।
  - नए नियम सुरक्षिति गर्भापत सेवाओं तक महलिओं के दायरे और पहुँच को बढ़ाएंगे तथा उन महलिओं के लिये गरमिया, स्वायत्तता, गोपनीयता और न्याय सुनाशिच्छिति करेंगे जिन्हें गर्भावस्था को समाप्त करने की आवश्यकता है।
- **संबंधित मुद्दे:**
  - हालाँकि निए नियमों ने कुछ हद तक गर्भापत तक पहुँच बढ़ा दी है, लेकिन वे MPT अधिनियम में एक मौलिक दोष को ठीक करने में वफ़िल रहे हैं कि एक महलिा को गर्भावस्था को समाप्त करने का नियमित मूल अधिकार है या नहीं।
  - राज्य मेडिकल बोर्ड का गठन उनकी पहुँच खासकर गरमिया क्षेत्रों की महलिओं के लिये अतिरिक्त चित्ताएँ पैदा करता है।
  - अधिनियम में केवल स्तरी रोग या प्रसूति में विशेषज्ञता वाले डॉक्टरों द्वारा गर्भापत करने की आवश्यकता है।
    - चूँकि गरमिया क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऐसे डॉक्टरों की 75% कमी है, इसलिये गर्भवती महलिओं को सुरक्षिति गर्भापत के लिये सुविधाओं तक पहुँचने में मुश्किल हो सकती है।
  - समाज अभी भी महलिओं को प्रजनन स्वायत्तता सुनाशिच्छिति करने में असमर्थ है, जिसमें से कई को न केवल गर्भधारण की योजना बनाने की स्वतंत्रता की कमी है, बल्कि गर्भापत के लिये कई बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है।

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/medical-termination-of-pregnancy-rules>